

01552

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2016

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Answer all five questions.

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about
400 words each.*

-
1. Highlight the sublime teachings of Mundaka Upanishad. 20

OR

Make a detailed exposition of the Carvaka epistemology. 20

2. Explain the objectives of Upanishads according to Sri Aurobindo. 20

OR

What do you understand by the belief that 'Knowledge is Power' in the Western and Indian Context ? Explain. 20

3. Answer any two of the following in about 200 words each :
- (a) Give a detailed account of the age of Mantras. 10
- (b) Describe the nature of self and the means of realization in Katha Upanishad. 10
- (c) Examine Uddaalaka's refutation of Vedic Suktas. 10
- (d) Explain the practical teachings of Jainism. 10
4. Answer any four of the following in about 150 words each :
- (a) Describe the concept of Prana in Prasna Upanishad. 5
- (b) What are the characteristics of self-discussed in Mandukya Upanishad ? 5
- (c) Briefly explain the Sunyavada of the Madhyamikas. 5
- (d) Describe Carvaka's view on self or the soul. 5
- (e) What are the three visualizations of creation in Aitareopanishad ? 5
- (f) Write a short note on the classification of the Vedas. 5
5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each :
- (a) Monism 4
- (b) Vyakarana, Chandas and Nirukta 4
- (c) Hiranya Garbha 4
- (d) Bhooma Vidya 4
- (e) Videhamukti 4
- (f) Turiya 4
- (g) Buddha's views on Karma 4
- (h) Kevala Jnana 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. मुण्डका उपनिषद् की उत्कृष्ट शिक्षाओं को प्रकाशित करें। 20

अथवा

चार्वाकवादी ज्ञानमीमांसा की विस्तार से व्याख्या करें। 20

2. श्री अरविन्दों के अनुसार उपनिषदों के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में 'ज्ञान शक्ति है' सम्बंधी विश्वास 20
से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :**
- (a) मन्त्र-काल का विस्तृत विवरण दीजिए। 10
- (b) कठोपनिषद् में वर्णित आत्म के स्वरूप और उसकी अनुभूति के साधनों का वर्णन कीजिए। 10
- (c) उद्दालक के द्वारा वैदिक सुक्तों के खण्डन का परीक्षण कीजिए। 10
- (d) जैन दर्शन की व्यवहारिक शिक्षाओं की व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
- (a) प्रश्न उपनिषद् में प्राण के प्रत्यय का वर्णन करें। 5
- (b) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित आत्म की विशेषताएँ क्या हैं? 5
- (c) माध्यमिकों के शून्यवाद को संक्षेप में समझाइए। 5
- (d) आत्मा के सम्बंध में चार्वाक के विचारों का वर्णन कीजिए। 5
- (e) एतरेयोपनिषद् में सृष्टि-निर्माण के तीन मानस दर्शन कौन से हैं? 5
- (f) वेदों के वर्गीकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :**
- (a) एकतत्त्ववाद 4
- (b) व्याकरण, छन्द और निरुक्त 4
- (c) हिरण्यगर्भा 4
- (d) भूमा विद्या 4
- (e) विदेहमुक्ति 4
- (f) तूरीय अवस्था 4
- (g) कर्म के सम्बंध में बौद्ध मत 4
- (h) कैवल्य ज्ञान 4